Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding pending demands of farmers and justice to farmers.

SHRI RAHUL GANDHI (WAYANAD): Hon. Speaker, Sir, thank you for giving me this opportunity. जैसा कि पूरा देश जानता है, किसान आंदोलन में तकरीबन 700 किसान शहीद हुए । प्रधान मंत्री जी ने देश से और देश के किसानों से माफी मांगी और उन्होंने कहा, यह एक्सेप्ट किया कि उन्होंने गलती की है ।

30 नवंबर को एग्रीकल्चर मिनिस्टर से सवाल पूछा गया था कि किसान आंदोलन में कितने किसान शहीद हुए । एग्रीकल्चर मिनिस्टर ने कहा कि उनके पास कोई डेटा नहीं है । हमने पता लगाया कि पंजाब की सरकार ने तकरीबन 400 किसानों को पांच लाख रुपये का कम्पेनसेशन दिया है और उनमें से 152 किसानों को रोजगार दिया है । यह लिस्ट मेरे पास है, इसे मैं हाउस में टेबल पर ले कर दूंगा ।

हमने 70 किसानों की एक और लिस्ट बनाई है, जो हरियाणा के हैं । वह भी मैं हाउस में ले कर दूंगा । प्रधान मंत्री जी ने जो माफी मांगी है और आपकी सरकार जो कह रही है कि कोई भी किसान शहीद नहीं हुआ है या उनके नाम आपके पास नहीं हैं, वे नाम यहां हैं । … (व्यवधान) आप इसे देख लीजिए और मैं चाहता हूं कि जो इनका हक है और प्रधान मंत्री जी ने जो कहा है, जो माफी मांगी है, उनका हक पूरा होना चाहिए और उनको कम्पेनसेशन और रोजगार मिलना चाहिए । धन्यवाद । … (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्री धर्मवीर सिंह जी ।

… (व्यवधान)

श्री अधीर रंजन चौधरी (बहरामपुर) : सर, कम से कम एक स्टेटमेंट तो देना चाहिए । … (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्री टी. आर. बालू जी ।

… (व्यवधान)

SHRI T. R. BAALU (SRIPERUMBUDUR): Hon. Speaker, Sir, I also associate myself with the issue raised by Shri Rahul Gandhi.

At the same time, I would submit that for the past two months, Tamil Nadu is under severe flood waters. Even today, our Chief Minister, Tamil Nadu has gone around the suburban areas of Chennai. For the past 31 days, it is under knee-deep waters. … (*Interruptions*)

Sir, I along with Shri Dayanidhi Maran, have given a notice under Calling Attention yesterday. But it has not yet been charted out.

Every day, I have been seeing the List of Business, but there is no mention of it there. I have also given a notice under Rule 193 on this issue. So, when are you going to admit our matter so that we can discuss it in the House?

Sir, it is a very, very serious matter. I have been going on after you for the last 10 days requesting you to admit it. Please do it. … (*Interruptions*)

… (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य, कृपया अधिकारियों की सीट पर न बैठें ।

… (व्यवधान)